दो महीने में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में असि. प्रोफेसर-लेक्चरर के 1000 पदों पर भर्ती का प्लान

टेक्निकल एजुकेशन • एडसीआईएल से कराएंगे परीक्षा, 2 आईआईटी सिलेबस-पेपर बनाएंगी

गिरीश उपाध्याय | भोपाल

तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) ने प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में फैकल्टी रिक्रूटमेंट की तैयारी शुरू कर दी है। असिस्टेंट प्रोफेसर और पॉलिटेक्निक के करीब एक हजार पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें 5 इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए करीब 200 असिस्टेंट प्रोफेसर और 72 पॉलिटेक्निक के लिए लगभग 800 लेक्चरर की भर्ती किए जाने का प्लान है। विभाग अपने स्तर से फैकल्टी रिक्रूटमेंट करीब 7 साल बाद कराने जा रहा है। इस बार एडसीआईएल (इंडिया) से भर्ती परीक्षा आयोजित कराने का प्रस्ताव है। इसके अलावा थर्ड पार्टी के तौर पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी और इंदौर की मदद ली जाएगी। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे, इसलिए परीक्षा संबंधी सिलेक्शन प्रोसेस में विभाग का अपना दखल किसी तरह से नहीं चाहता। इसलिए थर्ड पार्टी के तौर आईआईटी को जिम्मेदारी दी जाएगी। ये दोनों आईआईटी और एडसीआईएल पूरी प्रोसेस आयोजित करेंगे। आईआईटीज स्तर से सिलेबस और पेपर सेटिंग आदि जैसे महत्वपूर्ण काम होंगे। इस को लेकर हाल ही में आयुक्त मदन विभिषण नागरगोजे ने बैठक ली है। इस प्रक्रिया लीड प्रभारी संचालक प्रो. वीरेंद्र कुमार कर रहे हैं।

एडसीआईएल (इंडिया) लिमिटेड केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम वाली मिनी रत्न श्रेणी-1 सीपीएसई है, जो भारत और विदेशों दोनों में शिक्षा के सभी क्षेत्रों में प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करती है।

अभी रोस्टर तैयार नहीं...

यह भर्ती दो महीने में कराने का टारगेट रखा गया है, लेकिन यह मुश्किल लग रहा है। अधिकारी बताते हैं कि फोकस होकर काम किया जाता है, तो एक से दो महीने में भर्ती का नोटिफिकेशन आ पाएगा। दरअसल, अभी रोस्टर कंप्लीट नहीं है। इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक स्तर पर यह कार्रवाई होनी है। इसलिए नोटिफिकेशन होने, उम्मीदवारों से आवेदन मंगाने और परीक्षा और रिजल्ट में ही तीन से चार महीने का समय लग सकता है।

जीएडी की मंजूरी भी जरूरी...

फैकल्टी रिक्रूटमेंट की राह इसलिए भी आसान नहीं है क्योंकि, विभाग जिन इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक में भर्ती करना चाहता है, वे सीधेतौर पर विभाग के अधीन नहीं हैं। वे स्ववित्तीय आधार पर सोसाइटी द्वारा संचालित हैं। यही कारण है कि मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) इनके लिए भर्ती करने से इनकार कर देता है। सोसाइटियां भी भर्ती नहीं कर पातीं। अब विभाग स्तर से भर्ती करने की कार्रवाई शुरू की गई है। सोसाइटी के इन पदों पर विभाग स्तर पर भर्ती के लिए जीएडी से मंजूरी मांगी गई है।

2015 में रिक्रूटमेंट

40 प्रतिशत से ज्यादा ने छोड़ दी जॉब...

विभाग द्वारा आखिरी बार वर्ष 2015 में फैकल्टी रिक्रूटमेंट किया गया था। पॉलिटेक्निक में 2015 में 319 लेक्चरर और 54 असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती की गई थी। गेट एग्जाम के स्कोर व अन्य एजुकेशन क्वालिफिकेशन की मार्किंग के आधार पर भर्ती की गई थी। इनमें आईआईटी से पास आउट कैंडीडेट्स ने इन कॉलेजों में ज्वाइन किया था। इनमें से 40% छोड़कर जा चुके हैं। 3 साल के कॉन्ट्रैक्ट तौर पर इन्हें नियुक्ति दी गई। रेगुलर करते समय इनके 3 साल की सर्विस जोड़ने पर अभी भी असमंजस की स्थिति है।